Title: Need to celebrate the birth-centenary of Late Choudhary Charan Singh, former Prime Minister of India.

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति महोदय, 23 दिसम्बर, 2002 को चौधरी चरण सिंह जी का जन्म शताब्दी दिन था। भारत सरकार ने इस बारे में यह घोाणा की थी कि चौधरी चरण सिंह के जन्म शताब्दी समारोह को सरकार मनाने का काम करेगी। इसलिए भारत के उप राट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत की अध्यक्षता में एक 40 सदस्यीय कमेटी बनाई गई। लेकिन अब तक जो प्रभावी पहल, प्रभावी प्रयास चौधरी चरण सिंह के जन्म शताब्दी समारोह के लिए होने चाहिए थे, वे नहीं हुए हैं। 7 जन वरी, 2003 को एक बैठक इस समिति की हुई थी, उसमें यह फैसला किया गया था कि चौधरी चरण सिंह फाउंडेशन की स्थापना होगी और उनके दर्शन-संदेशों को प्र ासारित किया जाएगा। उसके अलावा यह भी निर्णय हुआ था कि चरण सिंह जी की यादगार को चिरस्थाई बनाने के लिए उन पर लेखन के कार्य का सृजन होगा। यह बहुत गम्भीर मामला है। चौधरी चरण सिंह भारत के प्रधान मंत्री ही नहीं रहे, बल्कि वे देश के गांवों के लोगों एवं किसानों के मसीहा भी थे। इसलिए उनके जन्म शताब्दी समारोह को मनाना बहुत जरूरी है। महापुरूाों के जन्म शताब्दी समारोहों के प्रति यह सरकार उदासीन रवैया अपना रही है। इसलिए आप भारत सरकार को निर्देशित करें कि चौधरी चरण सिंह जी के जन्म शताब्दी समारोह को गम्भीरता से ले।